

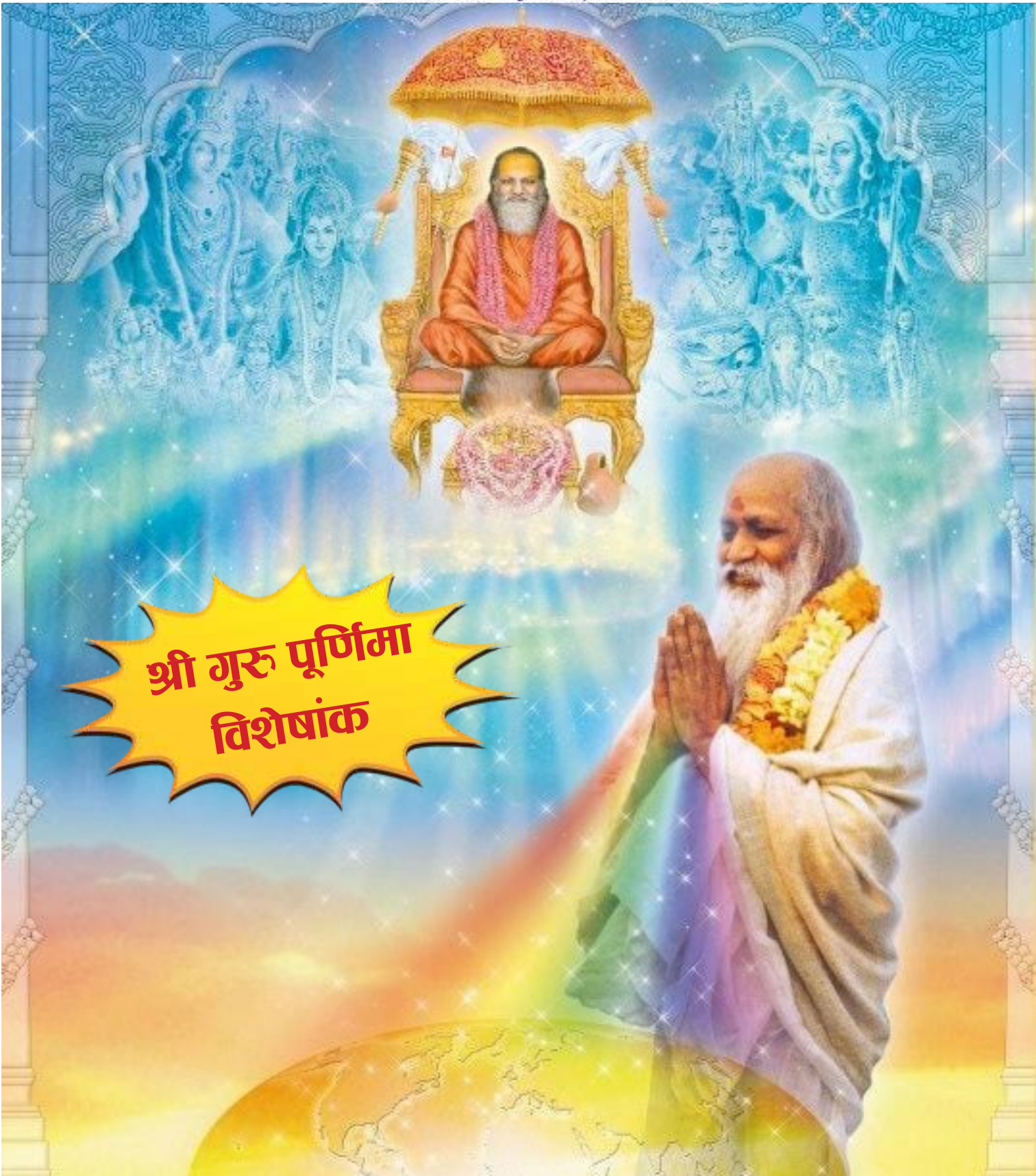
महर्षि विश्व शान्ति आन्दोलन Maharishi World Peace Movement

विश्व शांति की स्थाई स्थापना और प्रत्येक व्यक्ति तथा राष्ट्र के लिए अजेयता
Establishment of Perpetual World Peace and Invincibility to Every Individual and Nation

E-Newsletter

E-Mail - mwpm@mssmail.org Website - www.peace-movement.net

Volume - 23, April to June 2023



श्री गुरु पूर्णिमा
विशेषांक

प्रेम का स्वभाव

ब्रह्मचारी गिरीश जी
 अध्यक्ष, महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालय समूह

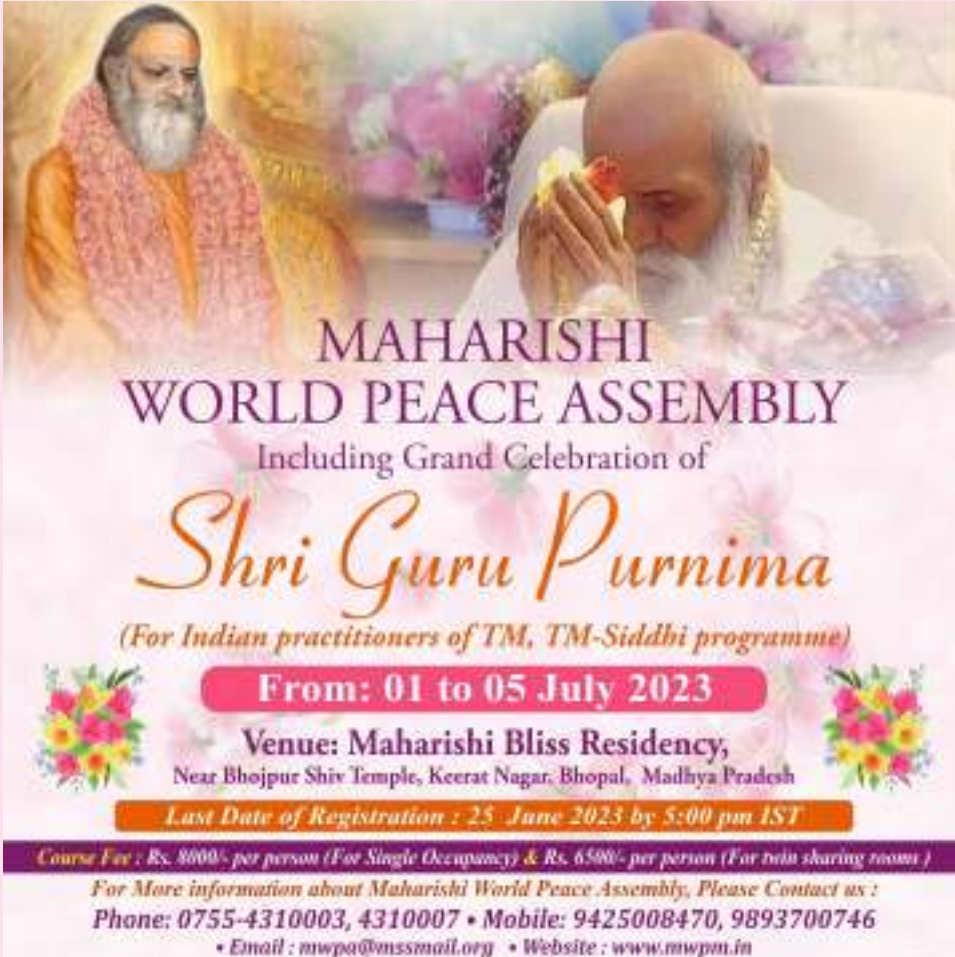


‘अशोक वाटिका’ में जिस समय रावण क्रोध में भरकर, तलवार लेकर सीता माँ को मारने के लिए दौड़ पड़ा तब हनुमान जी को लगा कि इसकी तलवार छीन कर, इसका वध कर देना चाहिये! किन्तु अगले ही क्षण, उन्होंने देखा ‘मंदोदरी’ ने रावण का हाथ पकड़ लिया! यह देखकर हनुमान जी गदगद हो गये! और वे सोचने लगे, अगर मैं आगे बढ़ता तो मुझे भ्रम हो जाता कि यदि मैं न होता, तो सीता जी को कौन बचाता? बहुधा हमको ऐसा ही भ्रम हो जाता है, मैं न होता तो क्या होता? परन्तु ये क्या हुआ? सीताजी को बचाने का कार्य

प्रभु ने रावण की पत्नी को ही सौंप दिया! तब श्री हनुमान जी समझ गये कि प्रभु जिससे जो कार्य लेना चाहते हैं, वह उसी से लेते हैं! आगे चलकर जब ‘त्रिजटा’ ने कहा कि ‘लंका में बंदर आया हुआ है और वह लंका जलायेगा!’ तो हनुमान जी बड़ी चिंता में पड़ गये कि प्रभु ने तो लंका जलाने के लिए कहा ही नहीं है और त्रिजटा कह रही है कि उन्होंने स्वप्न में देखा है, एक वानर ने लंका जलाई है! अब उन्हें क्या करना चाहिए? जो प्रभु इच्छा! जब रावण के सैनिक तलवार लेकर श्री हनुमान जी को मारने के लिये दौड़े, तो हनुमान जी ने अपने को बचाने के लिए तनिक भी चेष्टा नहीं की और जब ‘विभीषण’ ने आकर कहा कि दूत को मारना अनीति है, तो हनुमान जी समझ गये कि मुझे बचाने के लिये प्रभु ने यह उपाय कर दिया है! आश्चर्य की पराकाष्ठा तो तब हुई, जब रावण ने कहा कि बंदर को मारा नहीं जायेगा, पर पूँछ में कपड़ा लपेट कर, घी डालकर, आग लगाई जाये तो हनुमान जी सोचने लगे कि लंका वाली त्रिजटा की बात सच थी, वरना लंका को जलाने के लिए मैं कहाँ से घी, तेल, कपड़ा लाता और कहाँ आग ढूँढता? पर वह प्रबन्ध भी श्रीराम आपने रावण से करा दिया! जब आप रावण से भी अपना काम करा लेते हैं, तो मुझसे करा लेने में आश्चर्य की क्या बात है! इसलिये सदैव याद रखें कि संसार में जो हो रहा है, वह सब ईश्वरीय विधान है! हम और आप तो मात्र निमित्त मात्र हैं! इसीलिये कभी भी ये भ्रम न पालें कि ‘मैं न होता तो क्या होता?’ न मैं श्रेष्ठ हूँ, न ही मैं विशेष हूँ, मैं तो बस छोटा-सा, ईश्वर का दास हूँ। उपरोक्त प्रसंगों से हम सभी को भ्रम रहित हो जाना चाहिए और यही सत्य है कि प्रभु की जब हम पर कृपा होती है तभी हम प्रेम को जान व समझ पाते हैं। जब हमारा

मन प्रेम से भरा होता है तो हम अपने आस-पास जो भी कुछ होता है उससे प्रेम करने लगते हैं। मन में जब प्रेम भर जाता है तो मन से 'मैं' अर्थात् अहम का नाश हो जाता है और जीवन की आनंदमयी यात्रा के लिये। मन में सभी के प्रति प्रेम होना आवश्यक है। थोड़ी बहुत सात्विक बुद्धि तो होती है। नहीं है तो सत्संग करें, सज्जनों का संग करें। बुद्धि में सात्विकता बढ़ेगी तो ये सब बातें सरलता से समझ में आने लगती हैं। यहाँ प्रत्येक व्यक्ति सुख चाहता है, दुःख कोई भी नहीं चाहता चाहे कोई भी हो। अपवाद एक भी नहीं। वस्तुतः हर आदमी आनंद ही चाहता है जो अस्थायी सुख है, स्थायी सुख नहीं जिसके साथ दुःख अनिवार्य रूप से जुड़ा हुआ है सिक्के के दूसरे पहलू के समान। आनंद तभी संभव है जब हृदय सभी के हृदय से जुड़ जाय, जब मैं, मेरे की मान्यता पूरी तरह से विलीन हो जाय और प्रेम प्रकट हो जाय ऐसा प्रेम जो स्वभाव में होता है, अलगाव सूचक संबंधों में नहीं। जब तक अहंकार है, पृथक, सुरक्षित 'मैं' की मान्यता है तब तक संबंध बनते-बिगड़ते रहते हैं। जब प्रेम स्वभाव में होता है, जब सब कुछ जुड़ा अनुभव होता है तब संबंध नहीं होते। इसलिये प्रारंभ स्वयं से करना उचित है तब आरंभ में ही समझ में आ जाता है कि 'प्रेम स्वभाव में होता है, संबंधों में नहीं।' आरंभ स्वयं से होगा, अंत भी स्वयं में होगा, तब हम ही विराट पुरुष होंगे या भिन्न होंगे उस विराट पुरुष से जो आनंदस्वरूप है।

जय गुरुदेव, जय महर्षि जी



**MAHARISHI
WORLD PEACE ASSEMBLY**
Including Grand Celebration of
Shri Guru Purnima
(For Indian practitioners of TM, TM-Siddhi programme)

From: 01 to 05 July 2023

Venue: Maharishi Bliss Residency,
Near Bhojpur Shiv Temple, Keerat Nagar, Bhopal, Madhya Pradesh

Last Date of Registration : 25 June 2023 by 5:00 pm IST

Course Fee : Rs. 8000/- per person (For Single Occupancy) & Rs. 6500/- per person (For twin sharing rooms.)

For More information about Maharishi World Peace Assembly, Please Contact us :
Phone: 0755-4310003, 4310007 • Mobile: 9425008470, 9893700746
• Email : mwpa@mssmail.org • Website : www.mwpmi.in



श्री गुरुदेव ब्रह्मानंद सरस्वती जी महाराज एवं परम् पूज्य महर्षि महेश योगी जी के दैवीय आर्शीवाद से समस्त महर्षि संस्थानों के संयुक्त तत्वावधान में महर्षि विश्व शांति आंदोलन की इकाई सहस्रशीर्षा पुरुषा मण्डल के स्थापना दिवस एवं पावन अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर भव्य समारोह का आयोजन भोपाल स्थित 'महर्षि उत्सव भवन' में दिनांक 23 अप्रैल 2023 को किया गया।



कार्यक्रम का प्रारंभ गुरु परम्परा पूजन एवं तत्पश्चात सामूहिक भावातीत ध्यान के अभ्यास के साथ हुआ। इस अवसर पर महर्षि विश्व शांति आंदोलन के माननीय अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश जी ने अपने आर्शीवचन में कहा कि "जिसका क्षय न हो वह अक्षय है और आज अक्षय तृतीया है। ऐसा कहा जाता है कि जो भी संकल्प, शुभ संकल्प या शुभ विचार आज

के दिन किया जाता है वह अक्षय संकल्प होता है, उनका कभी क्षय नहीं होता है, वे पूर्ण संकल्प होते हैं। इसी तरह हमारे महर्षि परिवार के सभी सदस्यों का केवल एक ही संकल्प है कि हमारी जो वैदिक गुरु परम्परा जिसका कि हम नित्य पूजन करते हैं, गुरुदेव ब्रह्मानंद सरस्वती जी महाराज, परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी एवं जितने ऋषि-मुनि, राजर्षि हुये हैं उनके जितने भी शुभ संकल्प हैं वे पूर्ण होते रहें। इसके लिये हम अपनी जो भी भूमिका निभा सकें उनको हम आज लिये हुये संकल्प के माध्यम से निभायें। आज का दिवस बहुत ही पावन है क्योंकि आज अक्षय तृतीया के साथ ही भगवान परशुराम जी का जन्मदिवस भी है जिसे पूरे भारतवर्ष में हर्षोउल्लास के साथ मनाया जाता है एवं साथ ही आज महर्षि विश्व शांति आंदोलन की इकाई सहस्रशीर्षा पुरुषा मण्डल के स्थापना दिवस भी है।"

ब्रह्मचारी गिरीश जी ने आगे कहा कि "आज हम सभी यह संकल्प लेते हैं कि हम सब महर्षि

महेश योगी जी के 'महासंकल्पों' को शीघ्र ही पूरा करने का प्रयास करेंगे। साथ ही अक्षय तृतीया के इस पवित्र दिवस पर हम सभी यह संकल्प भी लेते हैं कि हम सब पूरे विश्व के सभी नागरिकों के सुख, समृद्धि, अजेयता व शांति हेतु सदैव प्रयत्नशील एवं कार्यरत रहेंगे। परम पिता ईश्वर, पूज्य गुरुदेव एवं परम पूज्य महर्षि जी के आशीर्वाद से हमारा यह संकल्प पूर्ण हो, यही कामना है।”

इस अवसर पर उपस्थित महर्षि वैदिक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. भुवनेश शर्मा ने कहा कि 'आज अक्षय तृतीया सहित सहस्रषीर्षा पुरुषा मंडल का स्थापना दिवस है। इसलिए हमें सनातन गुणों को स्थाई बनाना है जिससे समस्त भौतिक कार्य चिरस्थाई बन सकें। अक्षय तृतीया के दिवस पर प्रारंभ किया गया कोई भी कार्य निरंतर चलता रहता है उसका कभी क्षय नहीं होता है। अक्षय तृतीया अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व है तथा उपरोक्त सभी पवित्र संयोगों के कारण इस पवित्र दिन को 'अबूझ मूहर्त' की संज्ञा दी गई है अर्थात् यह दिन बिना किसी से पूछे शादी, गृह प्रवेश, गृह निर्माण प्रारंभ करने जैसे शुभ कार्यों के लिये उत्तम माना गया है।”



महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालय समूह के निदेशक संचार एवं जनसंपर्क व्ही. आर. खरे ने कहा कि महर्षि विश्व शांति आंदोलन की स्थापना को आज 13 वर्ष पूर्ण हो गये हैं। अभी तक पूरे विश्व में इसके सदस्यों की संख्या 11 लाख को पार कर चुकी है। साथ ही साथ उन्होंने इस अवसर पर नवीन सहभागियों से विश्व शांति की स्थापना में अपना योगदान देने का आवाहन किया।



साथ ही इस पावन पर्व पर महर्षि विश्व शांति दूतों को विश्व शांति की स्थापना में उनके उल्लेखनीय कार्यों हेतु प्रशस्ति पत्रों से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर भोपाल स्थित महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालयों के विद्यार्थियों ने सामूहिक भजन प्रस्तुत कर उपस्थितजनों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

जय गुरुदेव, जय महर्षि

महर्षि विश्व शांति आंदोलन की इकाईयों में अक्षय तृतीया महोत्सव



महर्षि विश्व शांति इकाई फतेहपुर



महर्षि विश्व शांति इकाई फतेहपुर



महर्षि विश्व शांति इकाई हरदोई



महर्षि विश्व शांति इकाई हरदोई



महर्षि विश्व शांति इकाई-६ जबलपुर



महर्षि विश्व शांति इकाई-६ जबलपुर



महर्षि विश्व शांति इकाई बालाघाट



महर्षि विश्व शांति इकाई बालाघाट



महर्षि विश्व शांति इकाई छिंदवाड़ा



महर्षि विश्व शांति इकाई छिंदवाड़ा



महर्षि विश्व शांति इकाई हरिद्वार



महर्षि विश्व शांति इकाई हरिद्वार



महर्षि विश्व शांति इकाई हिसार



महर्षि विश्व शांति इकाई हिसार



महर्षि विश्व शांति इकाई जम्मू



महर्षि विश्व शांति इकाई जम्मू



महर्षि विश्व शान्ति इकाई सिहोरा



महर्षि विश्व शान्ति इकाई अलीगढ़



महर्षि विश्व शान्ति इकाई अमरपाटन



महर्षि विश्व शान्ति इकाई नैनीताल



महर्षि विश्व शान्ति इकाई नयागढ़



महर्षि विश्व शान्ति इकाई पिथौरागढ़



महर्षि विश्व शान्ति इकाई प्रतापपुर



महर्षि विश्व शान्ति इकाई उत्तरकाशी

Sahasrasheersha Devi Mandal celebrated Mother's Day



Mother's Day was celebrated at Maharishi Vedic Sanskritik Kendra Bhopal by Sahasrasheersha Devi Mandal, the female wing of Maharishi World Peace Movement. As per the tradition of Maharishi Sansthan, the Mother's Day programme started with Guru Poojan, lamp lighting and group practice of Transcendental Meditation, in which all participated enthusiastically. Those five mothers who first reached the venue, were selected for lighting the lamp.

On this occasion, Smt. Arya Nandkumar, National Secretary - Communication of Maharishi World Peace Movement, welcomed everyone and wished them a very happy Mother's Day and also explained the importance of Mother's place in our lives. She explained the objective of the Maharishi World Peace Movement is to bring peace in the world. For this we all should practice Transcendental Meditation regularly twice a day."

Dr. Breeze Tripathi, President, Rakshita Welfare Society congratulated all those present on Mother's Day and underlined the important ways of the upbringing of children and strengthening the bond between parents and children.

After this, the children expressed their views about their mothers. The children also greeted their mothers with beautiful greeting cards.

Thereafter, competition was organized in which the names of a famous female personalities were asked to be written in 45 seconds. The women present took part in it enthusiastically, in which Smt. Divya Srivastava got first prize, Smt. Jagruti Mishra got second prize and Smt. Asha Verma got third prize.

One more competition was organized in which Smt. Sariska Singh was chosen as "Mother

of the Day" and was awarded with a crown and gift. Children, teachers and parents of Maharishi Vidya Mandir Ratanpur, Ayodhya Nagar, Trilanga and Maharishi Centre for Educational Excellence Lambakheda were present.

At the end of the programme, Smt. Suman Yadav, District Secretary of Sahasrasheersha Devi Mandal thanked everyone.



Mother's Day Celebrated in various units of MWPM

Mother's Day celebrated in more than 100 units of MWPM in the country with great enthusiasm.

Celebration of Mother's Day in various units of MWPM is presented below through picture gallery :



MWPM Unit Amarpatan



MWPM Unit Amarpatan



MWPM Unit Haridwar



MWPM Unit Haridwar



MWPM Unit Almora



MWPM Unit Almora



MWPM Unit Ambala



MWPM Unit Ambala



MWPM Unit Balasore



MWPM Unit Balasore



MWPM Unit Fatehpur



MWPM Unit Fatehpur



MWPM Unit Hardoi



MWPM Unit Hardoi



MWPM Unit Jammu



MWPM Unit Jammu



MWPM Unit Kurukshetra



MWPM Unit Kurukshetra



MWPM Unit Shahdol



MWPM Unit Shahdol



MWPM Unit Naini Prayagraj



MWPM Unit Sultanpur

Course on Song of Life Shrimad Bhagavad Gita (5 to 11 May 2023)



His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji said that Shrimad Bhagavad Gita is the pocket version of Vedas. It is the source of solutions to almost all the problems that we face not only in India but also in the rest of the world.

The Shrimad Bhagavad Gita presents a timeless formula for rising above the mundane problems of life to enjoy eternal freedom and fulfilment in higher states of consciousness; it brings to light a complete science of life and art of living relevant to every generation, based upon the simple yet profound experience of the inner Self—the infinite, eternal reservoir of creativity and intelligence that lies within us all. It is 'Song of Life'.

The Bhagavad Gita is not the science of any particular community. It is the universal science of the soul. It is a science which compels us to imbibe divinity and divine qualities. All other bodies of knowledge are not capable of change but this form of knowledge contained in the Bhagavad Gita is timeless.

In the world-famous timeless literature “Bhagavad-Gita: A New Translation and Commentary”, Maharishi Ji describes the Bhagavad Gita as “Scripture of Yoga”. He says that “its purpose is to explain in theory and practice all that is needed to raise the consciousness of man to the highest possible level”.

To bring importance and relevance of Shrimad Bhagavad Gita and its study, a short course of 7 days from 5 to 11 May 2023 was inaugurated by Maharishi Ji's most blessed disciple Brahmachari Girish Ji, Hon'ble Chairman MVM Schools Group. The course Directors were Prof. Bhuvnesh Sharma, Vice-Chancellor, MMYVV and Dr. Hema Reddy from USA.



Brahmachari Girish Ji said that 'one can take the first step towards spiritual growth and enrich his/her life with timeless teachings of the Shrimad Bhagavad Gita and give a new perspective to life. Let this course be the catalyst for positive change in everybody's life on a journey of self-realization and spiritual awakening. Maharishi Ji used to drive lot of inspiration from Shrimad Bhagavad Gita. He often used to quote 'योगस्थः कुरु कर्माणि' and 'योगः कर्मसु कौशलम्' and always say that

remaining in Yog, always perform to get maximum success and satisfaction. Based on these two concepts, he gave to the world practical formula of Transcendental Meditation and its advance techniques. It is our solemn duty to practice TM, TM-Siddhi programme including Yogic Flying to enjoy the fruits of teachings of Shrimad Bhagavad Gita.'

Brahmachari Girish Ji especially thanked Dr. Hema Reddy for having taken trouble of coming to Bhopal from USA to conduct this course. He also thanked Prof. Bhuvnesh Sharma for his presence to enlighten the audience with his knowledge of Shrimad Bhagavad Gita.



The course mainly covered the following aspects:

- Discover the secrets of inner peace and self-realization.
- Learn the ancient teachings of the Bhagavad Gita and apply them to our modern life.
- Have better understanding of the world and our place in this world.
- Embark on a journey of spiritual growth and self-discovery.



The participants from various parts of the country were enlightened by the discourses on Shrimad Bhagavad Gita especially from chapter 1 to 6.

Jai Guru Dev, Jai Maharishi Ji

वैदिक संस्कारों से परिचित कराने हेतु विद्यार्थियों का १० दिवसीय महर्षि वैदिक जीवन प्रशिक्षण कार्यक्रम (दिनांक 16 से 25 मई 2023)



10 दिवसीय महर्षि वैदिक जीवन प्रशिक्षण कार्यक्रम के सप्तम् वर्ष का आयोजन दिनांक 16 से 25 मई 2023 तक महर्षि सेंटर फॉर एजुकेशनल एक्सीलेंस परिसर, भोपाल में किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये महर्षि विश्व शांति आंदोलन के माननीय अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश जी ने विद्यार्थियों को वैदिक जीवन पद्धति अपनाने का आवाहन करते हुए कहा कि “ परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी ने परम्परागत भारतीय प्राचीन वैदिक ज्ञान और विज्ञान को अत्यंत सरल एवं रोचक भाषा में सम्पूर्ण विश्व के समक्ष प्रस्तुत किया। हम नई पीढ़ी का स्वागत करते हैं और आवाहन करते हैं कि वे इस जीवनोपयोगी वैदिक ज्ञान को न केवल सीखें, समझें एवं आत्मसात करें बल्कि इसे और संवर्धित कर एक सफल, सुखी, प्रसन्न, समृद्ध, अजेय, शांतिमय, प्रबुद्ध और भूतल पर स्वर्ग के अनुभव वाला जीवन व्यतीत करें। हमारे विद्यार्थी ऐसा ज्ञान अर्जित करें जिससे कि पूरा विश्व हमें जगत् गुरु मानते हुए विश्व शांति की दिशा में कदम उठाए।”

महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. भुवनेश शर्मा ने कहा कि ‘परम पूज्य महर्षि जी कहा करते थे कि आज पूरा विश्व भारत की ओर देख रहा है। हम जिस वेद भूमि, ज्ञान भूमि में पैदा हुए हैं उसके ज्ञान के प्रकाश को फैलाने की जिम्मेदारी विद्यार्थियों की है। वैदिक ज्ञान पूर्ण ज्ञान है। महर्षि जी ने वैदिक ज्ञान-विज्ञान की विभिन्न शाखाओं को व्यवस्थित रूप से स्थापित कर पूरे विश्व के समक्ष सरल एवं सहज रूप से प्रस्तुत कर यह बतलाया कि व्यक्ति के हित के साथ-साथ समाज एवं ब्रह्माण्ड के हितों का स्रोत वैदिक ज्ञान-विज्ञान में ही निहित है।’

इस सप्तम् महर्षि वैदिक जीवन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालय समूह द्वारा किया गया है। इसमें प्रतिभागियों का चयन महर्षि वेद विज्ञान पर आधारित प्रतियोगी परीक्षा की प्रावीण्य सूची के आधार पर किया जाता है। इस प्रतियोगी परीक्षा का आयोजन सम्पूर्ण भारत के 16 राज्यों में स्थित 150 महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालयों में किया गया। इस वर्ष 94 चयनित विद्यार्थियों जिनमें 50 छात्राएं एवं 44 छात्र सम्मिलित हैं ने यह प्रशिक्षण प्राप्त किया है। इस 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रत्येक दिवस

ब्रह्ममुहूर्त में उठकर सामान्य नित्यकर्म से निवृत्त होने के उपरांत प्रातः सूर्यअर्घ्य अर्पण, सूर्य नमस्कार, योगासन, प्राणायाम एवं भावातीत ध्यान से प्रारंभ हुई दिनचर्या में नवीनतम् पीढ़ी के सदस्यों को वैदिक परम्पराओं के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। साथ ही वैदिक ग्रंथों के मनुष्य के सर्वांगीण विकास पर पड़ने वाले प्रभावों से अवगत कराते हुये विद्यार्थियों को वैदिक वांग्मय के 40 क्षेत्रों से अवगत कराया गया।

इस अवसर पर महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालय समूह के निदेशक संचार एवं जनसम्पर्क श्री व्ही. आर. खरे, महामीडिया पत्रिका के संपादक श्री नीतेश परमार, महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालय समूह संयुक्त निदेशक श्री सुनील ओखदे एवं श्री राम विनोद सिंह गौर राष्ट्रीय संयोजक भावातीत ध्यान एवं भावातीत ध्यान-सिद्धि कार्यक्रम सहित अन्य विद्वान विशेष रूप से उपस्थित थे।

महर्षि वैदिक जीवन प्रशिक्षण कार्यक्रम का चित्रमय दर्शन



महर्षि वैदिक जीवन प्रशिक्षण कार्यक्रम का चित्रमय दर्शन



Sahasrasheersha Devi Mandal organised Transcendental Meditation Camp



Sahasrasheersha Devi Mandal, female wing of Maharishi World Peace Movement visited "Sakaratomak Soch", an NGO at Bhopal and gave introductory lecture on Transcendental Meditation to all the members.

Sakaratomak Soch is an NGO by which various types of social work like plantation, distribution of saplings, utensil bank, food donation, book bank, etc are being carried out. This NGO is associated with Swatch Bharat Abhiyan by using only bio-degradable substances, distributing jute bags and performing various eco-friendly works.

Members of Sahasrasheersha Devi Mandal reached Sakaratomak Soch and they met all the women present there and introduced Transcendental Meditation to them.

Mrs. Anita Bhargava delivered introductory lecture on Transcendental Meditation to the members and inspired everyone to learn Transcendental Meditation.

Smt. Arya Nandkumar, National Secretary – Communication, Maharishi World Peace Movement shared her experience about the benefits of Transcendental Meditation in her life and also requested all the members to learn and practice Transcendental Meditation and enjoy the benefits of TM.

40 members of Sakaratomak Soch attended the introductory lecture and understand the benefits of Transcendental Meditation. 18 members showed interest and learnt the Transcendental Meditation.

At the end, Sahasrasheersha Devi Mandal gifted utensils, books and clothes as token of their appreciation of works being carried out by the NGO.



International Yog Day

Organised by: Maharishi World Peace Movement

And other Maharishi Organisations

21 June 2023



We have to make every day of the year a Yog Day : Brahmachari Girish Ji

In the benign online presence of Hon'ble President of Maharishi World Peace Movement, Brahmachari Girish Ji, national level function of 9th International Yog Day was organised at "Maharishi Mangalam Bhawan", Bhopal with great enthusiasm and fervour.

In his address Brahmachari Girish Ji said that "Yog is the most valuable gift of Bharat to the world. It is good that we all are present here today to celebrate International Yog Day but in Maharishi Organisation we celebrate it every day. The major benefit of Yog is to maintain stability of our mind and body. We can complete all Yog by being situated in the pure consciousness gained through regular practice of Transcendental Meditation. For this we have to practice Transcendental Meditation every morning and evening."

In a message to the students, Brahmachari Girish Ji said that "purity of mind, words and speech is to be achieved, so that all beings in the world can attain invincibility. Today, let us all take a pledge that we will practice Yogasan, Pranayam, Transcendental Meditation, TM-Siddhi programme including Yogic Flying regularly. By doing this, we will become Sankalp Siddhas, that means we will get whatever we wish for. This is the right time to learn all the Siddhis. If your mind, consciousness, and Atma are not stable, then your body also is not going to be stable either. During student life all of you will learn about stabilizing your mind through the practice of Ashtanga Yog. There are 8 limbs of Ashtanga Yog, namely Yama, Niyama, Asana, Pranayama, Pratyahara, Dharana, Dhyana and Samadhi. Out of these eight limbs, the first five are external and the other three are internal."

"That is why it is necessary to take out 1 hour in the morning and 1 hour in the evening for practicing Yog, Pranayama, TM, TM-Siddhi programme including Yogic Flying every day, so that life can be made calm and energetic. This is the secret of a stress free life. Our Prime Minister



has taken the Yog to the whole world, it is a matter of happiness. Similarly there is need to take all 40 aspects of Vedas to the whole world."

On this occasion Prof. Bhuvnesh Sharma, Hon'ble Vice-Chancellor of MMYVV said that "Transcendental Meditation is the simplest form of Yog. Transcendental Meditation must be done regularly for the purity of the mind. His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji has brought this unique technique to the whole world for the benefit of everybody. That is why we all must make use of Vedic technologies a part of our daily routine life."

On this occasion, V. R. Khare, Director (Communication and Public Relations), Shri U. Prakasham Director (Personnel and Administration), Smt. Arya Nand Kumar, Joint Director and Smt. Rita Prakasham Joint Director CPR of MVM School Group & Shri B. S. Guleria Principal, MVM Ratanpur were present along with teachers and students.

Earlier, the programme started with Shri Guru Parampara Poojan and Shanti Path by Maharishi Vedic Pandits. Under the guidance of Yogacharya Shri R. S. Patwari, students from all 4 MVM Schools of Bhopal and Vedic pundits from Maharishi Ved Vigyan Vishwa Vidyapeeth participated in mass exhibition of various Yogasans as per protocol circulated by Govt. of India. The demonstration was very disciplined and praise worthy. This was followed by group practice of Transcendental Meditation by all members present.

International Yog Day Celebrated in various units of MWPM



MWPM Unit Guwahati-6



MWPM Unit Guwahati-6



MWPM Unit Bhopal



MWPM Unit Bhopal



MWPM Unit Bilaspur



MWPM Unit Bilaspur



MWPM Unit Durg



MWPM Unit Durg

International Yog Day Celebrated in various units of MWPM



MWPM Unit Jind



MWPM Unit Jind



MWPM Unit Nadaun



MWPM Unit Nadaun



MWPM Unit Prayagraj



MWPM Unit Prayagraj



MWPM Unit Pithoragarh



MWPM Unit Pithoragarh

E-Newsletter of MWPM

Request to esteemed participants

Dear participants,

We are very pleased to release the 23rd Edition of quarterly E-Newsletter of Maharishi World Peace Movement with blessings of Shri Guru Dev Swami Brahmanand Saraswati Ji Maharaj & His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji, and under the able guidance & encouragement of Brahmachari Girish Ji, Hon'ble National President of MWPM.

All editions of E-Newsletter of MWPM will be sent to you through e-mails. Kindly do have a look at this E-Newsletter and oblige us with your valuable suggestions which will encourage us to improve the contents of your E-Newsletter.

In every edition of E-Newsletter of MWPM, we will be publishing information related to philosophy, knowledge and teachings of His Holiness Maharishi Ji, benefits of Vedic technologies, activities of State & District units of SDM and SPM of MWPM, celebrations of functions, number of new participants in the state etc. Please note that all news reports must be authentic, original, true and correct.

E-Newsletter of MWPM will be tried to be released in the 2nd week of beginning of every quarter. You are requested to send E-News letter matters so that they are received by us before 15 days of start of the quarter i.e. for next quarter of July to September 2023 the news or matters from your side should be sent to us by 15th September 2023.

Please also note that all contents should be sent in soft copy through e-mail– sdm@mssmail.org or mwpmnational@gmail.com as word document file or in a CD to Smt. Arya Nandkumar, National Communication Secretary of MWPM, Maharishi Shiksha Santhan, Hall no 16 Sarnath Complex, Bhopal Pin-462016. Hard copy should be neatly typed (“Times New Roman” font for English and “Devnagri” or “Chanakya” font for Hindi) and should be sent to above-mentioned address. High quality/resolution pictures and graphics will be very useful to make your report better looking and will be much interesting for readers.

E-Newsletter of MWPM will be circulated to all participants of SDM & SPM, employees, well-wishers, students, millions of Meditators, Siddhas, Devotees of Maharishi Global Organisations around the globe and people’s representative and other members of the civil societies.

Please recommend all your friends and relatives to subscribe E-News Letter of MWPM and to visit web site www.peace-movement.net.

With all the best wishes

Jai Guru Dev, Jai Maharishi

Your Sincerely
Editorial Board
E-Newsletter of MWPM

Contact Us

Maharishi World Peace Movement

Maharishi Shiksha Santhan, Hall no 16 Sarnath Complex Ph: 755-4279393, 9893700746

website: www.mwpm.in Email: sdm@mssmail.org